



Rohan khanna



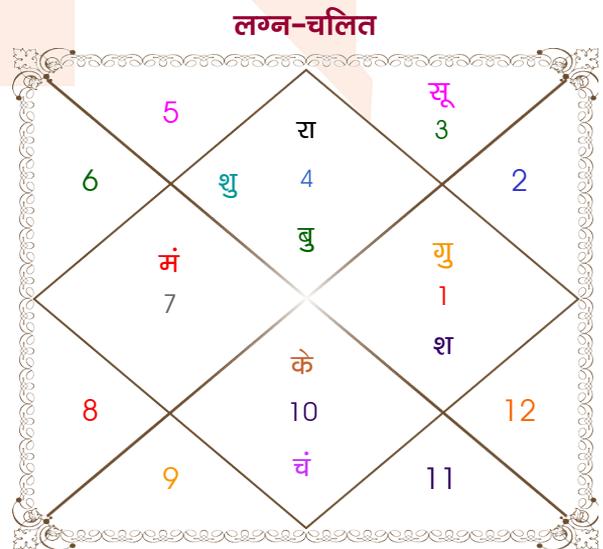
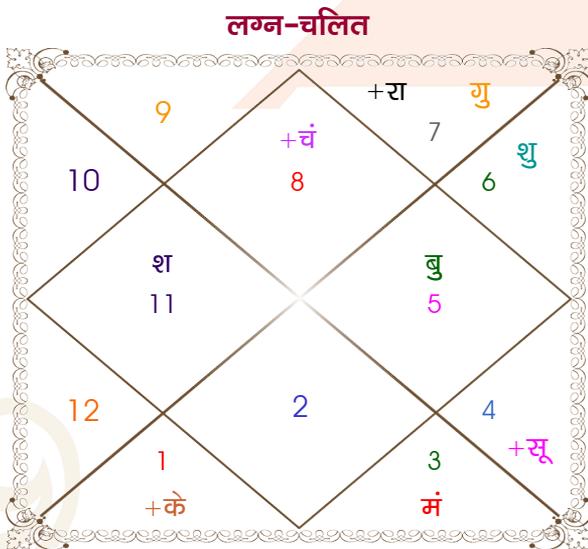
Shreya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121385304

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
16/08/1994 :	जन्म तिथि	: 01/07/1999
मंगलवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 12:35:00 :	जन्म समय	: 08:25:00 घंटे
घटी 17:38:02 :	जन्म समय(घटी)	: 08:04:56 घटी
India :	देश	: India
Varanasi :	स्थान	: Delhi
25:20:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:31:47 :	सूर्योदय	: 05:26:40
18:32:24 :	सूर्यास्त	: 19:22:54
23:47:09 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:48

विंशोत्तरी बुध 4वर्ष 9मा 30दि शुक्र	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 9वर्ष 11मा 11दि राहु
16/06/2006	02:39:02	वृश्चि	लग्न	कर्क	22:23:03	11/06/2016
16/06/2026	29:24:48	कर्क	सूर्य	मिथु	15:01:01	11/06/2034
शुक्र	26:12:36	वृश्चि	चंद्र	मक	10:04:14	राहु
15/10/2009	05:52:55	मिथु	मंगल	तुला	04:52:53	22/02/2019
16/10/2010	02:49:06	सिंह	बुध	कर्क	10:26:07	गुरु
15/06/2012	13:51:50	तुला	गुरु	मेष	06:34:46	18/07/2021
15/08/2013	15:12:02	कन्या	शुक्र	कर्क	28:38:17	24/05/2024
15/08/2016	16:26:44	कुंभ	शनि	मेष	20:23:05	शनि
15/08/2016	25:18:50	तुला	राहु	कर्क	19:21:15	बुध
16/04/2019	25:18:50	मेष	केतु	मक	19:21:15	केतु
16/06/2022	29:26:26	धनु	हर्ष	मक	22:19:50	शुक्र
16/04/2025	27:21:05	धनु	नेप	मक	09:47:13	सूर्य
16/06/2026	01:31:24	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:29:19	चन्द्र
						मंगल
						11/06/2034



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

Rohan khanna का वर्ग मृग है तथा रौतमलं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rohan khanna और रौतमलं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Rohan khanna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

रौतमलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।**

शनि यदि एक की कुण्डली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Rohan khanna कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rohan khanna तथा रौतमलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।